



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:09 OCT. 2026

युवाओं को भारतीय विरासत के संरक्षण में आगे आना चाहिए : तिवारी

■ प्रतिक्रिया के बजाय दें
सकारात्मक उत्तर : डॉ.
ऋतु पांडे शर्मा

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में तीन दिवसीय टेडेक्स टॉक संवाद का समापन हुआ। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विरासत संरक्षण पर विद्यार्थियों को भारत के इतिहास और पुरातत्व को जानने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एलेक्जेंडर कनिंघम, जॉन मार्शल और जेम्स फर्ग्यूसन के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को भारतीय विरासत के संरक्षण में



आगे आना चाहिए। मोटिवेशनल गुरु राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को जीवन में बदलाव के लिए स्वयं पर नियंत्रण रखने की सीख दी।

उन्होंने कहा कि वाणी, मनोदशा, मस्तिष्क, धन, व्यवहार और



मोबाइल के उपयोग को नियंत्रित कर जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऊंचाई तक पहुंचने के लिए पुरानी गलत आदतों और विचारों को छोड़ना जरूरी है। दूसरे सत्र में हैप्पीनेस कोच डॉ. ऋतु पांडे शर्मा

ने सजगता और सचेत होकर जीवन जीने के गुर बताए। उन्होंने कहा कि किसी घटना या व्यक्ति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय सोचकर उत्तर देना चाहिए। माइंडफुलनेस को जीवन का हिस्सा बनाने से मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों को उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह भी दी।

कार्यक्रम का संयोजन विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने किया। संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया। कुलसचिव पी. शशिकला, विभाग प्रमुख, प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जीवन में ऊंचाई के लिए बदलनी होंगी आदतें

एमसीयू में तीन दिवसीय टेड टाक संवाद का समापन

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित तीन दिवसीय टेड टाक संवाद का गुरुवार को समापन हुआ। अंतिम दिन मोटिवेशनल गुरु राजीव अग्रवाल, हैप्पीनेस कोच डा. ऋतु पांडे शर्मा और विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से जीवन प्रबंधन, सजगता और भारतीय विरासत के संरक्षण पर संवाद किया।

मोटिवेशनल गुरु राजीव अग्रवाल ने कहा कि जीवन में बेहतर स्वास्थ्य, अच्छी नौकरी और समाज में सम्मान पाने की इच्छा गलत नहीं है। ऊंचाई तक पहुंचने के लिए व्यक्ति को अपनी कुछ पुरानी गलत आदतों, विचारों और व्यवहार को छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन का कोई निश्चित मैनुअल नहीं होता, इसे हमें स्वयं बेहतर बनाना



कार्यक्रम के दौरान एमसीयू के कुलगुरु अपनी बात रखते हुए। • सौ: आयोजक

होता है। दूसरों का व्यवहार हमारे नियंत्रण में नहीं है, लेकिन अपना व्यवहार हम नियंत्रित कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को वाणी, मनोदशा,

मस्तिष्क, धन, व्यवहार और मोबाइल पर नियंत्रण रखने की सीख दी। उन्होंने कहा कि खराब शब्द संबंध बिगाड़ सकते हैं, जबकि अच्छी भाषा परिस्थितियों को बेहतर बना सकती है। इसी तरह मनोदशा और विचारों को नियंत्रित करने से काम के परिणाम बेहतर हो सकते हैं। धन का सदुपयोग, अच्छे व्यवहार और मोबाइल के उपयोग को सीमित करना भी जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

दूसरे सत्र में हैप्पीनेस कोच डा. ऋतु पांडे शर्मा ने सजगता के साथ जीवन जीने के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि किसी घटना या व्यक्ति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय ठहरकर जवाब देना चाहिए। खुशी कोई मंजिल नहीं, बल्कि यात्रा है और सजगता इस

यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि छोटे से छोटे काम को भी पूरी जागरूकता के साथ करने की आदत विकसित करनी चाहिए। मोबाइल और अन्य उपकरणों को लत तथा देर रात तक जागने से जीवनशैली व स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी विरासत को समझना युवाओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुरातत्वविद् एलेक्जेंडर कनिंघम, जान मार्शल और जेम्स फर्ग्यूसन के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने विषय के साथ अन्य क्षेत्रों में भी रुचि विकसित करनी चाहिए।

एमसीयू में तीन दिवसीय टेड टॉक संवाद का समापन

विशेषज्ञों ने जीवन और विरासत से जुड़े मंत्र दिए

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय टेड टॉक संवाद का समापन हुआ। अंतिम दिन मोटिवेशनल गुरु राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलतामय बदलाव के लिए कुछ बातों पर नियंत्रण रखने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अपनी चाणो, मूड, मस्तिष्क, धन, तौर-तरीकों और मोबाइल के उपयोग को नियंत्रित कर जीवन में कई बदलाव किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी पुरानी गलतियों और विचारों को छोड़कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

हैप्पिनेस कोथ डॉ. प्रभु पांडे शर्मा ने सजग और चैतन्य रहकर जीवन जीने के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि किसी घटना या व्यक्ति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय सोच-समझकर प्रतिक्रिया देना चाहिए।



खुरी कोई मजिल नहीं, बल्कि एक यात्रा है और माइंडफुलनेस इस यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को गैजेट्स के अत्यधिक उपयोग से बचने और छोटे से छोटे काम को पूरी सजगता से करने की सलाह दी। विरासत संरक्षण विषय पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और ऐतिहासिक स्मारक पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं।

उन्होंने भारतीय पुरातत्व के क्षेत्र में एलेक्जेंडर कनिंघम, जॉन मार्शल और जेम्स फर्ग्यूसन के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को भारत के इतिहास और पुरातत्व के महत्व को समझने के लिए आगे आना चाहिए। कुलगुरु ने कहा कि भारत की हजारों वर्ष की अद्भुत यात्रा को जानना हमारा कर्तव्य है। ऐतिहासिक स्थलों पर मौजूद कृतियों और शिलालेखों को समझने का प्रयास करना चाहिए।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM

'MCNUJC LIBRARY

'SWADESH '09 OCT.2026

कुछ बातें कंट्रोल करने से जीवन में बदलाव संभव : राजीव अग्रवाल

संदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित तीन दिवसीय टेड टॉक संवाद का समापन हुआ। अंतिम दिन मेहंतेजेलाल पुर राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए स्वयं से जुड़ी बातों को नियंत्रित करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि अच्छी निद्रा, बेहतर सेहत, अच्छी नौकरी और सम्पन्न में अच्छी प्रतिष्ठा की चाह गलत नहीं है। ऊंचाई तक पहुंचने के लिए पुरानी गलत आदतों, विचारों और तौर-तरीकों को छोड़ना जरूरी है।

पांच बातों पर नियंत्रण जरूरी

राजीव अग्रवाल ने कहा कि जीवन में कुछ अच्छे परिणामों के लिए स्वयं पर काम करना जरूरी है। उन्होंने माउथ कंट्रोल, मूड कंट्रोल, माइंड कंट्रोल, मनी कंट्रोल और मैन्स कंट्रोल को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बाणी पर संयम रखने से रिश्ते बेहतर होते हैं, मूड नियंत्रित रखने से काम के परिणाम अच्छे आते हैं और मन को एकाग्र कर किसी काम में पूरा ध्यान देने से बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। पैसे को सही तरीके से कमाने और अच्छे कार्यों पर खर्च करने के साथ अपने तौर-तरीकों में नफ़्ता रखने को भी उन्होंने सलाह दी। उन्होंने मोबाइल पर को जाने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करने पर भी जोर दिया।



रिएक्ट नहीं, रिस्रॉन्स को दें प्राथनिकता : डॉ. ऋतु पांडे शर्मा

दूसरे सत्र में रेखी फाउंडेशन की हैप्पीनेस कोच डॉ. ऋतु पांडे शर्मा ने माइंडफुलनेस और सजग होकर जीवन जीने के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि हमारा मस्तिष्क असीम संभावनाओं से भरा है और हमारे कार्य आदतों के साथ व्यवहार का पैटर्न भी तय करते हैं। किसी घटना, व्यक्ति या बात पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय रिस्रॉन्स देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खुशी कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक यात्रा है और इस यात्रा का दूसरा नाम माइंडफुलनेस है। छोटे से छोटे काम को भी पूरी जागरूकता के साथ करना चाहिए। सकारात्मक सोच के लिए मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने से व्यक्ति बेहतर विकल्प चुनने में सक्षम होता है। उन्होंने गैजेट्स के बढ़ते इस्तेमाल और देर रात तक जागने से शरीर की दिनचर्या पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति भी विद्यार्थियों को सचेत किया।



इतिहास और विरासत को जानें युवा: विजय मनोहर तिवारी

विरासत संरक्षण विषय पर विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भारत में पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और ऐतिहासिक स्मारक एवं स्थल पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत के इतिहास और विरासत को समझने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने एलेक्जेंडर कनिंघम, जॉन मार्शल और जेम्स फर्ग्युसन के कार्यों का उल्लेख करते हुए भारतीय पुरातत्व और स्वाभ्यय के अध्ययन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने विषय के साथ अन्य क्षेत्रों में भी रुचि विकसित करनी चाहिए। विदिशा जिले के उदयपुर में मिले शिलालेखों और मंदिर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रयासों से 2018 में हेरिटेज विभाग शुरू होने के बाद लोगों ने इस ऐतिहासिक मंदिर और कब्रों को जानना शुरू किया। कार्यक्रम के संयोजक विद्यापन एवं जनसंघर्ष विभाग के प्रमुख डॉ. पवित्र श्रीगुप्त ने अतिथियों को आभार व्यक्त किया। सत्रों का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव पी. शशिक्ला, विभाग के प्रमुख, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



टीवी पत्रकार के पास होती हैं संवेदनशील और सच्ची कहानियां कहने का सलीका आना चाहिए : ब्रजेश राजपूत

टेलेक्स टॉक में विस्तार न्यूज के ग्रुप एडिटर ने साझा किए टीवी पत्रकारिता के अनुभव

टीवी पत्रकारिता सामाजिक सरोकार, संवेदन और सामाजिक सच्चाई को न सिर्फ देखने, बल्कि उसे पढ़े पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल भी सिखाती है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विद्यार्थी से बदलती दुनिया थीम पर टेलेक्स टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विस्तार न्यूज के ग्रुप एडिटर ब्रजेश राजपूत ने एक स्क्रीन, करोड़ों कहानियां विषय पर टेलीविजन पत्रकारिता के अपने अनुभव साझा किए। ब्रजेश राजपूत ने कहा कि टीवी पत्रकारिता करते हुए हर दिन कई कहानियों से स्पर्श होने का अवसर मिलता है। हर कहानी में एक दर्द, एक खुशी, एक सवाल और एक समाधान होता है। उन्होंने दृष्टव कुमार के घर टूटने से लेकर बूटलखंड की बिल्लीरानी, झाड़ी में मिली गजजात बच्ची और प्रधानमंत्री आवास योजना की हकीकत से जुड़ी स्टोरी का रोवक अंदाज में उल्लेख किया।



एक गलती शर्मिलार कर सकती है : उन्होंने विद्युत शवदाहगृह की स्टोरी का जिक्र करते हुए धुर में मा का प्रतिकर देखने वाली बच्ची के

अनुभव को साझा किया। वही इतने हुए शहर हरसूद की कहानी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि टीवी की दुनिया में भावनाओं का बड़ा महत्व है। टीवी पत्रकारिता सामाजिक सरोकार, संवेदन और सामाजिक सच्चाई को पढ़े पर दिखाने का कौशल सिखाती है। यहा पत्रकार का काम दिखाई देता है, लेकिन एक गलती प्रमत्तार कर सकती है और अच्छा काम शाबाशी भी दि सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कहानियां सभी के पास होती हैं, लेकिन टी. पत्रकारिता में जरूरी है कि कहानी को खनने व सलीका सीखा जाए। टीवी पत्रकारिता में आने के इच्छुक विद्यार्थियों को टीवी रिपोर्टर की डायरी जरूर पढ़नी चाहिए। इससे पता चलता है कि एक अच्छी स्टोरी के पीछे कितनी मेहनत और समर्पण जरूरी होता है।

भारत के इतिहास और पुरातत्व को जानना युवाओं की जिम्मेदारी



सिटी रिपोर्टर • जीवन में हर घटना पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय कुछ पल ठहरकर सोचें और फिर जवाब दें। यह छोटी-सी आदत स्ट्रेस कम करने के साथ हमारे व्यवहार और सोच को भी बदल सकती है। माइंडफुलनेस का मतलब ही है कि हम जो कर रहे हैं, उसे पूरी सजगता के साथ करें। ये बातें हैप्पीनेस कोच डॉ. ऋतु पांडे शर्मा ने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित तीन दिवसीय टेड टॉक संवाद के समापन सत्र में कहीं। मोटिवेशनल गुरु राजीव अग्रवाल ने कहा- अच्छी जिंदगी, बेहतर सेहत, अच्छा जॉब और समाज में अच्छी प्रतिष्ठा की चाह गलत नहीं है। ऊंचाई तक पहुंचने के लिए हमें खुद को हल्का करना होगा। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा- भारत के इतिहास और पुरातत्व को जानना युवाओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने एलेक्जेंडर कनिंघम, जॉन मार्शल और जैसे युवाओं के काम का उदाहरण भी दिया।